



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 292]
No. 292]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 18, 2009/वैशाख 28, 1931
NEW DELHI, MONDAY, MAY 18, 2009/VAISAKHA 28, 1931

रक्षोपाय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क महानिदेशालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 मई, 2009

विषय :—डाइमिथोएट टैक्निकल के आयातों के बारे में रक्षोपाय जांच-प्रारंभिक जांच परिणाम ।

सा.का.नि. 340(अ).—सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा शुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क का अभिज्ञान एवं निर्धारण) नियम, 1997 को ध्यान में रखते हुए ।

(क) प्रक्रिया—

1. भारत में डाइमिथोएट टैक्निकल के आयात पर रक्षोपाय शुल्क लगाने हेतु सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1997 (रक्षोपाय शुल्क की पहचान एवं निर्धारण) के नियम 5 के आधार पर मैसर्स शिवालिक रसायन लिमिटेड द्वारा आवेदन किया गया जिससे डाइमिथोएट टैक्निकल के आयात के फलस्वरूप घरेलू उत्पादकों को हो रही गम्भीर क्षति या उसकी आशंका से बचा जा सके। नियम 5 की अपेक्षाओं को पूर्ण किया गया और इससे संतुष्ट होकर डाइमिथोएट टैक्निकल के आयात संबंधी रक्षोपाय जांच की शुरुआत 21-01-2009 को शुरू की गई और इसे उसी दिन भारत के असाधारण राजपत्र में प्रकाशित कराया गया । प्रारंभिक जांच के सूचना पत्र की एक प्रति प्रमुख निर्यातक देशों को दिल्ली में स्थित उनके राजदूतावासों के माध्यम से भेजी गई । प्रारंभिक जांच की एक-एक प्रति संबद्ध पार्टियों को भी भेजी जा रही हैं जो निम्नलिखित हैं —

घरेलू उत्पादक—

मैसर्स शिवालिक रसायन लिमिटेड, 1506, चिरंजीवी टॉवर, 43, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019

आयातक एवं प्रयोक्ता

क. मैसर्स रैलिस इण्डिया लि., एपीजे हाउस, सातवां तल, 3, दिनसा बाछा रोड, मुम्बई-400 033

ख. मैसर्स अनु प्रोडक्ट्स लि. टिगाँव रोड, फरीदाबाद, हरियाणा

- ग. मैसर्स हैदराबाद कैमिकल्स लि. ए-24/25, एपीआईई, बाला नगर, हैदराबाद - 500 037
- घ. मैसर्स इन्सेक्टिसाइड्स इण्डिया लि. 401-402, लूसा टॉवर, आजादपुर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, दिल्ली - 110 033
- ङ. मैसर्स अतुल पेस्टिसाइड्स प्रा. लि., एम-9, 10, 11, गुप्ता टॉवर, आजादपुर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, दिल्ली - 110 033
- च. मैसर्स जयश्री रसायन उद्योग लि., एम-4, आराधना भवन, आजादपुर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, दिल्ली - 110 033
- छ. मैसर्स इसाग्रो एशिया एग्रो कैमिकल्स प्रा.लि., 101, सॉलिटेयर कॉर्पोरेट पार्क, 151, एम. वासनजी रोड, चकाला, अंधेरी ईस्ट, मुम्बई - 400 093
- ज. मैसर्स हिन्दुस्तान पुलवराइजिंग मिल्स, 209-210, अनुपम भवन, आजादपुर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, दिल्ली - 110 033
- झ. मैसर्स बॉस एग्रो कैमिकल्स, 108, चेतक सेंटर, 12/2, आरएनटी मार्ग, इन्दौर-452 001 म.प्र.

एसोसिएशन

पेस्टिसाइड मैन्यूफैक्चरर्स एण्ड फॉर्मूलेटर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया पीएमएफआई, डी-516, क्रिस्टल प्लाजा, अंधेरी लिंक रोड, अंधेरी वेस्ट, मुम्बई-400053

निर्यातक / विदेशी उत्पादक

क. चोंगकिंग मिन-फेंग एग्रोकैम कं लि.
जिंगकू, शापिंगबा,
चांगपिंग
चीन

ख. जियांग्सु टेंगलॉग ग्रुप
सं. 1, चेगजियांग एन रोड,
जितुआन टाउन, देफेंग सिटी
जियांग्सु-224 124
चीन

2. सूचना की एक प्रति निर्यातक देशों की सरकारों को नई दिल्ली स्थित उनके दूतावासों के माध्यम से भिजवाई गई थी।

3. सभी ज्ञात घरेलू उत्पादकों एवं आयातकों को उसी दिन प्रश्नावलियां भी भेजी गई थीं और उनसे 30 दिनों के भीतर अपना उत्तर प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।
4. घरेलू उद्योग ने अतिरिक्त अनुरोधों के साथ प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है।
5. आवेदन, उत्तर एवं अतिरिक्त अनुरोधों के समस्त अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फोल्डर में रखे गए हैं।
6. जॉच की कार्यवाही को शीघ्रता से सम्पन्न करते हुए प्रारम्भिक रिपोर्ट को 2 फरवरी 2009 को जारी किया गया और भारत के असाधारण राजपत्र में उसी दिन प्रकाशित किया गया। प्रारम्भिक जॉच की एक प्रति सभी संबंध पार्टियों को भी भेजी गई।
7. डाइमिथोएट टैक्निकल पर दिनांक 23 मार्च, 2009 के अधिसूचना संख्या 25/2009 सीमा शुल्क के तहत 28 प्रतिशत मूल्यवृद्धि रक्षोपाय शुल्क लागू किया गया।
8. जिन-जिन सूचनाओं का सत्यापन जॉच हेतु आवश्यक समझा गया, उनका सत्यापन भी किया गया। सत्यापन के परिणाम से घरेलू उत्पादक को अवगत कराया गया और उसकी एक प्रति सार्वजनिक फाईल में रखी गई।
9. दिनांक 25 मार्च 2009 को सभी संबंध पार्टियों को सार्वजनिक सुनवाई जिसकी सूचना सभी को भेजी गई थी। सार्वजनिक सुनवाई में मैसर्स शिवालिक रसायन लिमिटेड और रैलिस इण्डिया लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सभी उपस्थित पार्टियों को मौखिक कहे गए विचारों को लिखित रूप में आवेदित करने को कहा गया। एक संबंध पार्टी द्वारा दिया गया लिखित आवेदन सभी उपस्थित पार्टियों को प्राप्य कराया गया। संबंध पार्टियों को अन्य संबंध पार्टियों को प्रत्युत्तर के आवेदन की भी सुविधा दी गई। सभी लिखित प्रस्तुतिकरणों में विवरित विचारों या उनके प्रत्युत्तरों को जाँचा गया और उचित निर्णय लेने के पूर्व उन सभी को ध्यान में रखा गया।

(ख) घरेलू उत्पादकों के विचार

घरेलू उत्पादक और आवेदक मैसर्स शिवालिक रसायन लि. ने निम्न प्रमुख मुद्दे उठाए हैं—

- i) उत्पाद डाइमिथोएट टैक्निकल, सुमेलिकृत नामावली प्रणाली के 8 अंकीय कोड 38081026 और सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (सीटीए) की प्रथम अनुसूची के 38089123 के अंतर्गत आता है।

- ii) यह उत्पाद विभिन्न सांद्रणों में होता है। सर्वाधिक सामान्य सांद्रण 85 से 98 प्रतिशत के मध्य होता है। विभिन्न सांद्रणों के उत्पाद का उपयोग कीटनाशक नुस्खों के रूप में एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है और डाइमिथोएट टैक्निकल का अपेक्षित सांद्रण 40 प्रतिशत से कम होता है। भारत में नुस्खों की बिक्री डाइमिथोएट टैक्निकल के 30 प्रतिशत सांद्रण में की जाती है।
- iii) भारत में आयात 2006-07 में 68 मी.टन से बढ़कर 2007-08 में 270 मी.टन हो गया। इसके अतिरिक्त भारत में आयात वर्ष 2006-07 के प्रथम छह माह के दौरान भारत में 389 मी.टन का आयात किया जा चुका है। इस दर से समूचे 2008-09 के वर्ष के दौरान कुल आयात अनुमानित 780 मी.टन के होंगे जिनमें एक ही वर्ष में 190 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज होगी।
- iv) अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में घरेलू उद्योग को लाने के लिए भारत में डाइमिथोएट टैक्निकल के आयात पर सीमाशुल्क वर्ष 2004-05 में 20 प्रतिशत से घटाकर 2008-09 में 10 प्रतिशत हो गया है।
- v) वर्ष 2005-06 में आयातों का बाजार हिस्सा 8 प्रतिशत था। वर्ष 2006-07 में यह मामूली घटकर 7 प्रतिशत हो गया परन्तु वर्ष 2007-08 में यह पुनः पर्याप्ततः बढ़कर 25 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही में आयातों का बाजार हिस्सा बढ़कर 51 प्रतिशत हो गया और समूचे वित्त वर्ष 2008-09 में इसके बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। वर्ष 2006-07 में 92 प्रतिशत के उच्च बाजार हिस्से से घरेलू उत्पादन का हिस्सा घटकर वर्ष 2008-09 में मात्र 40 प्रतिशत रह गया अर्थात् 52 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।
- vi) आयातों में अचानक वृद्धि और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति निर्यातक देश के अनुचित व्यापार व्यवहारों के कारण हुई है जो निश्चित तौर पर एक अप्रत्याशित घटना है जिसे भारतीय वार्ताकार करारों पर बातचीत करते समय भौंप न सके। डाइमिथोएट टैक्निकल के लिए आधारभूत कच्ची सामग्री पी2एस5 है जिसका विनिर्माण एलो फॉस्फोरस से किया जाता है। चीन में एलो फॉस्फोरस का व्यापक भण्डार है और वह एक तरीके से अपने व्यापार का नियंत्रण करता है। विदेशी बाजार में समस्त फॉस्फोरस आधारित उद्योगों को नष्ट करने और भारत सहित विदेशों में फॉस्फोरस आधारित बाजार पर कब्जा करने के लिए चीन ने अनुचित व्यापार व्यवहार शुरू कर दिया जिसके तहत चीन ने सुनियोजित ढंग से मूलभूत कच्ची सामग्री अर्थात् एलो फॉस्फोरस की लागत 120 प्रतिशत तक भारी निर्यात शुल्क लगाकर विदेशी प्रतिस्पर्धियों के लिए बढ़ा दी और साथ-ही-साथ अपने घरेलू उत्पादकों के लिए सस्ती कीमत पर उसकी उपलब्धता सुनिश्चित की। इस व्यापार व्यवहार के कारण भारत

में घरेलू उत्पादक हेतु डाइमिथोएट टैक्निकल की उत्पादन लागत चीन के विनिर्माताओं की उत्पादन लागत की तुलना में काफी अधिक हो गई और इस प्रकार इस परिदृश्य में भारतीय विनिर्माता चीन के विनिर्माता से प्रतिस्पर्धा नहीं कर सके। चीन जन. गण. के अनुचित व्यापार व्यवहारों के कारण एलो फॉस्फोरस की कीमत 900 अम. डा. से बढ़कर 9000 अम.डा. हो गई अर्थात् केवल 4 वर्ष की अवधि में 10 गुना वृद्धि हुई। चीन द्वारा एलो फॉस्फोरस पर 120प्रतिशत तक का निर्यात शुल्क लगाए जाने और निर्यातक देश के अनुचित व्यापार व्यवहारों के कारण एलो फॉस्फोरस की कीमत में 10 गुना वृद्धि के साक्ष्य के रूप में आवेदक ने दिनांक 12 जून, 2008 के इकोनॉमिक टाईम्स के मुम्बई संस्करण में पृष्ठ 17 पर इकोनॉमी खण्ड में उल्लिखित 'फॉस्फोरस बेस्ड प्रोडक्ट्स टू कॉस्ट मोर' शीर्षक से एक लेख प्रस्तुत किया है। ऐसा ज्ञात हुआ है कि चीन जन. गण. द्वारा एलो फॉस्फोरस पर लगाए गए निर्यात शुल्क की वर्तमान दर 70प्रतिशत है।

- vii) सामान्यतः वस्तु कर गंतव्य आधारित खपत कर होते हैं और आमतौर पर अधिकांश वस्तुओं के संबंध में निर्यातक देश द्वारा कोई कर नहीं लगाया जाता है। किसी निर्यातक देश द्वारा इस प्रकार कराधान और वह भी 120प्रतिशत तक अप्रत्याशित है और भारतीय वार्ताकारों ने ऐसी स्थिति की कल्पना करने के लिए गैट में इसका पूर्वानुमान नहीं लगाया था जहाँ कोई देश उस स्थिति में ऐसा कोई अनुचित व्यापार व्यवहार अपनाएगा जब सदस्य देशों द्वारा मुक्त एवं निष्पक्ष अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सुनिश्चित करने पर बातचीत की जा रही हो।
- viii) इसके अलावा, उन देशों के जिनके पास काफी अधिक उत्पादन क्षमताएँ हैं, सहित विभिन्न देशों के घरेलू उद्योग अभूतपूर्व एवं असामान्य मंदी से अस्थिर हुए हैं। मंदी के कारण विश्व भर में माँग में अप्रत्याशित गिरावट आने से भारत में उत्पादकों की स्थिति और गंभीर हो गयी है। मूलभूत कच्ची सामग्री पर निर्यात शुल्क लगाना जिससे निर्यातक देश के प्रयोक्ता मुक्त हैं और उसके साथ-साथ भारत में घरेलू उद्योग की बिकी लागत से कम कीमत पर फॉस्फोरस की व्युत्पत्तियों के निर्यात को प्रोत्साहित करना घरेलू उत्पादकों को पूर्णतः अव्यवहार्य बनाते हुए भारत के घरेलू बाजार पर कब्जा करने के लिए निर्यातक देशों की कार्यनीति रही है।
- ix) उपर्युक्त अप्रत्याशित घटनाक्रमों के कारण भारत में आयात वर्ष 2006-07 के दौरान 68 मी.टन से बढ़कर वर्ष 2007-08 के दौरान 270 मी.टन हो गए। इसके अलावा, वर्ष 2008-09 के प्रथम छह माह के दौरान भारत में 389 मी.टन का आयात किया जा चुका है। इस दर से सम्पूर्ण वर्ष 2008-09 के दौरान कुल आयात 780 मी.टन के होंगे जिनमें एक ही वर्ष में 190 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज होगी।

- x) इस अप्रत्याशित घटनाक्रम से आयातों में वृद्धि हुई है। वर्ष 2008-09 की शुरुआत में एलो फॉस्फोरस पर 120 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया गया था जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही में आयातों का हिस्सा वर्ष 2007-08 में 24 प्रतिशत से बढ़कर 51 प्रतिशत हो गया। आयात में इस वृद्धि से घरेलू उत्पादक को गंभीर क्षति हुई है जो कि सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क की पहचान एवं निर्धारण) नियम, 1997 के अनुबंध में उल्लिखित मापदंडों से स्पष्ट हो जाती है। वर्ष 2006-07 में 93 प्रतिशत के हिस्से की तुलना में वर्ष 2008-09 में प्रथम छमाही में घरेलू उत्पादन का हिस्सा घटकर 49 प्रतिशत हो गया जबकि इसी अवधि में आयातों का हिस्सा 7 प्रतिशत से बढ़कर 51 प्रतिशत हो गया है।
- क. वर्ष 2006-07 में 93 प्रतिशत के हिस्से की तुलना में वर्ष 2008-09 में प्रथम छमाही में घरेलू बिक्री का हिस्सा घटकर 51 प्रतिशत हो गया जबकि इसी अवधि में आयात बिक्री का हिस्सा 7 प्रतिशत से बढ़कर 49 प्रतिशत हो गया।
- ख. मशीनों की उत्पादकता और संयंत्र की क्षमता एक समान बनी रही और यह क्षति संयंत्र की उत्पादन क्षमता के कारण नहीं हुई है।
- ग. तथापि, क्षमता अनुप्रयुक्त रहने के कारण कर्मचारियों की संख्या के संबंध में उत्पादकता वर्ष 2007-08 में प्रति माह 702 कि.ग्रा. प्रति कर्मचारी की तुलना में घटकर 481 कि.ग्रा. प्रति कर्मचारी हो गई है।
- घ. संयंत्र का क्षमता उपयोग वर्ष 2007-08 के 86 प्रतिशत और वर्ष 2006-07 में 91 प्रतिशत की तुलना वर्ष 2008-09 के प्रथम 9 माह के दौरान घटकर 59 प्रतिशत हो गया है।
- ङ. आवेदक वर्ष 2007-08 तक मुनाफे में चल रहा था लेकिन वर्ष 2008-09 में प्रथम नौ माह में आवेदक को 16.27 लाख रु. का घाटा हुआ। यह स्थिति वर्ष 2008-09 की तीसरी तिमाही में और खराब हो गई जिसमें घाटा 30.82 लाख रु. तक का हुआ और इस प्रकार वर्ष 2008-09 की तीसरी तिमाही में गंभीर क्षति और विकराल हो गई।
- च. एसआरएल 102 लोगों को रोजगार देता है जो संयंत्र बन्द होने के कारण बेकार हो गए हैं।
- xi) अप्रत्याशित घटनाक्रम से आयात में वृद्धि हुई और आयातों में वृद्धि से गंभीर क्षति हुई है। ऐसा कोई अन्य संकेतक नहीं है जिससे स्पष्ट तौर पर घरेलू उत्पादक को हुई गंभीर क्षति/उसके लिए गंभीर क्षति के खतरे पर प्रभाव पड़ता है।
- xii) आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि डाइमैथोएट टेक्निकल पर रक्षोपाय शुल्क लगाने से वास्तव में लोकहित की सिद्धी होगी और इससे लोगों को किसी भी रूप में कठिनाई नहीं होगी जैसा कि निम्नलिखित बिन्दुओं

से स्पष्ट हो जाता है : अप्रत्याशित घटनाक्रमों से आयातों में वृद्धि हुई जिससे गंभीर क्षति हुई और आयातित वस्तु का हिस्सा वर्ष 2006-07 में मात्र 7प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही में 51प्रतिशत हो गया। यदि सुरक्षात्मक उपाय नहीं किए जाएंगे तो एकमात्र घरेलू उत्पादक, जिसका संयंत्र आदेशों के अभाव में बन्द हो चुका है, उत्पादन पुनः शुरू करने में समर्थ नहीं होगा। इस स्थिति में भारतीय डाइमथोएट आधारित कीटनाशक व्यापार विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर पूर्णतः निर्भर हो जाएगा। घरेलू उत्पादन सुविधाओं को पूर्णतः समाप्त करने के बाद विदेशी आपूर्तिकर्ता अपनी पसंद की कीमतें वसूलेंगे। इस प्रकार, भारतीय बाजार का शोषण करेंगे। भारत में डाइमथोएट आधारित कीटनाशक व्यापार पर विदेशी प्रतिस्पर्धियों का 100प्रतिशत नियंत्रण वस्तुतः जनहित में नहीं है। अतः यह वस्तुतः लोकहित में है कि घरेलू उत्पादक को बचाने के लिए सुरक्षा उपाय किए जाएँ।

xiii) रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से भारत में अन्तिम उपभोक्ताओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस समय जनता सस्ते आयातों से लाभान्वित नहीं हो रही है। इसेग्रो एग्रो कैमिकल्स लि. और रैलिस इण्डिया लि. दोनों द्वारा अपने सक्रिय संघटक के रूप में 30प्रतिशत डाइमथोएट के साथ रोगोर ब्रांड नाम से कीटनाशकों का उत्पादन किया जाता है। इसेग्रो द्वारा आवेदक अर्थात् स्वदेशी स्रोत से खरीदे गए अपने डाइमथोएट के 100प्रतिशत के साथ रोगोर का उत्पादन किया जाता है और उसमें आयातित डाइमथोएट टेक्निकल का कोई घटक नहीं होता है और वह बाजार में 280 रु. प्रति लीटर की वर्तमान अधिकतम खुदरा कीमत पर उसकी बिक्री करता है। यद्यपि रैलिस इण्डिया लि. द्वारा अधिकतम आयातित डाइमथोएट तत्व वाले रोगोर की बिक्री 342 रु. प्रति लीटर की वर्तमान अधिकतम खुदरा कीमत पर की जाती है। अतः किसानों के लिए घरेलू डाइमथोएट टेक्निकल से निर्मित रोगोर वस्तुतः आयातित डाइमथोएट टेक्निकल से निर्मित रोगोर की तुलना में सस्ता होता है। आयातित डाइमथोएट टेक्निकल पर रक्षोपाय शुल्क से घरेलू डाइमथोएट टेक्निकल से निर्मित रोगोर की कीमत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और अन्य कारकों में कोई परिवर्तन न होने पर यह अभी भी 280 रु. प्रति लीटर पर उपलब्ध होगा। आवेदक ने एमआरपी से अधिक कीमत प्रदर्शित करते हुए इन कम्पनियों के रोगोर के नमूनों के साथ इन कम्पनियों की कीमत सूची प्रस्तुत की है।

xiv) डाइमथोएट टेक्निकल के उत्पादन हेतु फॉस्फोरस पेन्टासल्फाइड (पी2एस5) मूलभूत कच्ची सामग्री है जिसका हिस्सा उसकी कच्ची सामग्री की लागत का लगभग 72प्रतिशत और कुल उत्पादन लागत का लगभग 50प्रतिशत बनता है। पी2एस5 एलोफॉस्फोरस की एक व्युत्पत्ति

है जिस पर चीन द्वारा नियंत्रण रखा जा रहा है। चीन ने ऑर्गेनोफॉस्फेट रसायनों के विभिन्न उत्पादकों को अस्त-व्यस्त करने के लिए 120 प्रतिशत तक का निर्यात शुल्क प्रभारित कर एलो फॉस्फोरस की जरूरतों में शेष विश्व को वस्तुतः पराश्रित बना दिया है। इन परिस्थितियों में एकमात्र गुंजाइश लागत के इस भाग के संबंध में रहती है तदनुसार एसआरएल द्वारा अन्य कच्ची सामग्रियों के संबंध में कुशलता में सुधार करने हेतु एक उचित कार्यनीति अपनाने का प्रस्ताव किया जाता है जिससे लागत में कमी आएगी और कम्पनी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धियों से प्रतिस्पर्धा कर सकेगी। एसआरएल की योजना अनेक समायोजन योजनाएँ निष्पादित करने की है जिनमें कम से कम कार्यान्वयन की दृष्टि से तीन वर्ष का समय लगेगा। एसआरएल द्वारा अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित उपाय किए जाएंगे :

- क) ईंधन के रूप में अपशिष्ट भारी तेल एवं जैविक परत का उपयोग,
- ख) विद्युत उपकरणों के आधुनिकीकरण द्वारा विद्युत की बचत,
- ग) बेहतर विनिर्माण पद्धतियों का उपयोग,
- घ) प्रबंधन पद्धतियों में सुधार,
- ड.) प्रशासनिक व्यय में कमी,
- च) कारगर मालसूची प्रबंधन।

(ग) आयातक, निर्यातक और प्रयोक्ता उद्योग के विचार -

- (i) मैसर्स अतुल पेस्टीसाईड प्रा.लि. द्वारा रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने पर कोई आपत्ति जाहिर नहीं की गई है।
- (ii) मैसर्स कॉप ग्रोथ इण्डिया प्रा.लि. द्वारा यह प्रस्तुत किया है कि रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से काफी सारे स्थानीय फोरमूलेटर्स और लाखों किसानों को प्रतिस्पर्धात्मक मूल्यों पर माल खरीदने की सुविधा प्राप्त हो जाएगी। यह शुल्क स्थानीय फोरमूलेटर्स के हित में होगा जो माल आयात करने में असमर्थ हैं। बड़ी कम्पनियाँ काफी मुनाफा कमाती हैं इसके चलते शुल्क के लगाए जाने से मूल्यों को युक्तियुक्त बनाया जा पायेगा जिससे देश में उत्पादन में समता लाई जा सके।
- (iii) मैसर्स हैदराबाद कैमिकल्स प्रॉडक्ट्स लि. ने बताया कि वर्ष 2004-05 में उनके द्वारा 121 मी.टन का उत्पादन किया गया, वर्ष 2005-06 में 66 मी.टन का, वर्ष 2006-07 में 41 मी.टन और 2007-08 में मात्र 4 मी.टन का उत्पादन किया गया।

- (iv) मैसर्स इन्सेक्टिसाईड इण्डिया लि. के अनुसार रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने में कोई आपत्ति नहीं की है।
- (v) मैसर्स बॉस एग्रो कैमिकल्स प्रा.लि. ने कहा कि यह सरकार द्वारा यह एक बहुत ही उत्तम निर्णय है। अल्पकाल में यह कदम उत्पादकों के लिए लाभप्रद है और दीर्घकाल में किसानों के लिए यह काफी हितकर साबित होगा। चीन एक नीति के तहत भारत के एग्रो उद्योग को घ्यस्त कर रहा है जिससे चीन की कम्पनियों 10 गुना अधिक मूल्य लेंगी और भारत के किसान कोई और उपाय न होते हुए इस मूल्य का वहन करेंगे। भारत के उत्पादकों में समानता उन्हें स्वयंसमर्थ यूनिट बनाए जाने और नौकरियों सुनिश्चित करने में यह काफी सहयोग देगा।
- (vi) मैसर्स इसाग्रो एशिया एग्रो कैमिकल्स प्रा.लि. ने कहा कि रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने के पक्ष में है।
- (vii) मैसर्स अंकुर कैमिकल्स इण्डिया भी रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने के पक्ष में है। मैसर्स हिन्दुस्तान पलवरसिंग मिल्स का कथन है कि डाइमिथोएट टैक्निकल पर लागू रक्षोपाय शुल्क के फलस्वरूप किसानों को सूखे का सामना नहीं करना पड़ेगा साथ ही कम उपजाऊ खेती की जमीन में भी सुधार होगा। साथ उचित मूल्य और सही गुणवत्ता का उत्पादन होगा।
- (viii) मैसर्स रैलिस इण्डिया लि. ने निम्न प्रस्तुतिकरण दिए -

- क. यह शुल्क लगाए जाने से सीमांत कृषक सिर्फ एकाधिकारी आपूर्तिकार या सिर्फ एक आपूर्तिकार के अधीन हो जाएंगे।
- ख. इस आणुरूपिक सादृश्य जैसी आपूर्ति पर कृषकों की निर्भरता संकटपूर्ण है। आवेदक आश्वासन देने की स्थिति में नहीं हैं चूँकि उसकी यूनिट गंभीर जोन में स्थित है।
- ग. रक्षोपाय शुल्क एक अपूर्ण विवाद के आधार पर लागू किया जा रहा है कि लागत का प्रभाव किसानों पर नहीं पड़ेगा।
- घ. यदि उपर्युक्त कहे गए मुद्दों को उपयुक्त न भी समझा जाए तथापि रक्षोपाय शुल्क 8 प्रतिशत से अधिक नहीं लगाया जा सकता चूँकि घरेलू मूल्य और आयातित मूल्य में जो अन्तर है वह 3 प्रतिशत से 12 प्रतिशत तक अन्तर दर्शा रहा है।
- ड. इस उत्पाद की छोटे किसानों और सीमांत किसानों को निरन्तर उपलब्ध करा पाना मुश्किल है उनके अधिकार का हनन आवेदक जो कि एकाधिकारी आपूर्तिकार है उनके द्वारा किया जा रहा है।
- च. मैसर्स शिवालिक रसायन केवल एक मात्र डाइमिथोएट टैक्निकल के निर्माता नहीं हैं। रैलिस 2002 तक इस उत्पाद का निर्माण

कर रहे थे। हैदराबाद कैमिकल्स प्रॉडक्ट्स लि. भी इसके निर्माता हैं जिन्होंने 2007-08 में 4 मी.टन का उत्पादन किया।

छ. गौरतलब है कि आवेदक द्वारा चीन से मध्यवर्ती के आयात का विकल्प खोजे जाने एवं कारखाने के अन्यत्र उपयोग के विषय में न सोचे जाने की बाबत हमने कहा है कि उपरोक्त दोनों चीजें इस शुल्क को लगाए जाने को समर्थित नहीं करती हैं।

- (ix) मैसर्स यूनाईटेड फासफोरस लि. ने सूचित किया है कि डाइमिथोएट टैक्निकल का उत्पादन वह नहीं कर रहे। फारमूलेशनस हेतु वह डाइमिथोएट टैक्निकल बाजार अथवा मैसर्स शिवालिक रसायन लि. से खरीद लेते हैं, उन्होंने कभी इसका आयात नहीं किया।
- (x) मैसर्स स्वास्तिक पेस्टीसाईड लि. ने रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने का स्वागत किया है और कोई आपत्ति नहीं की।

(घ) महानिदेशक के जॉच परिणाम —

क) जॉच चीन उत्पाद — भारत में डाइमिथोएट टैक्निकल सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची 1 की उप शीर्षक संख्या 38089123 के अंतर्गत वर्गीकृत है। अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार इसे आमतौर पर अंतर्राष्ट्रीय भाषा में डाइमिथोएट के नाम से जाना जाता है। यह उत्पाद विभिन्न सांद्रणों में होता है। सार्वधिक सामान्य सांद्रण 85 से 98 प्रतिशत के बीच होता है। विभिन्न सांद्रणों के उत्पाद का उपयोग अदल-बदल कर किया जाता है। डाइमिथोएट का बड़े पैमाने पर उपयोग सम्पर्क में आने पर कीटों का नाश करने के लिए प्रयुक्त आर्गेनाफॉस्फेट कीटनाशी के रूप में किया जाता है। यह एंटीकोलिनेस्टेरेज है जिससे कोलीनस्टेरेज जो केन्द्रीय नाड़ी तंत्र प्रणाली के कार्यचालन हेतु आवश्यक एंजाइम है अक्षम बनाता है।

ख) घरेलू उद्योग — मैसर्स हैदराबाद कैमिकल्स लि. का दावा है कि उन्होंने डाइमिथोएट टैक्निकल का वर्ष 2007-08 में 4 मी.टन उत्पादन किया। मैसर्स शिवालिक रसायन लि. ने डाइमिथोएट टैक्निकल का वर्ष 2007-08 में 860 मी.टन उत्पादन किया। अतः स्पष्ट है कि मैसर्स शिवालिक रसायन लि. ने अधिकांशतः डाइमिथोएट टैक्निकल का उत्पादन किया। तदनुसार आवेदक मैसर्स शिवालिक रसायन लि. भारत में मुख्य घरेलू उत्पादक है, अतः वह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 8ख की उपधारा 6 के खण्ड ख के अनुसार घरेलू उद्योग है।

- ग) अप्रत्याशित घटनाक्रम — अप्रत्याशित घटनाक्रम के विषय में संबद्ध पार्टी द्वारा कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतएव, अप्रत्याशित घटनाक्रम के विषय को जाँचा गया एवं जाँच के उपरान्त पाए गए तथ्य निम्न हैं —

गैट 1994 का अनुच्छेद Xix निम्नानुसार है :

(1) यदि अप्रत्याशित घटनाक्रमों और इस करार के तहत किसी संविदाकारी पक्ष द्वारा लिए गए दायित्वों के प्रभाव के परिणामस्वरूप अप्रत्याशित घटनाक्रम शब्द का उपयोग किया जाता है। बहुवचन में घटनाक्रमों के इस्तेमाल का तात्पर्य यह है कि घटनाक्रम एक से अधिक हो सकते हैं जिनके संयोजित प्रभाव पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा, प्रायोगिक तौर पर यह आवश्यक नहीं कि सभी घटनाक्रम स्वतंत्र हों और वास्तव में ऐसे घटनाक्रम एक दूसरे पर प्रभाव डाल सकते हैं। यह ऐसे भी घटनाक्रमों के अनुनाद का प्रभाव ही है जो व्यापार की गतिशीलता पर प्रभाव डालते हैं और उनके कारण परिणामों पर विचार करने के लिए यह आवश्यक है कि पूर्णतावादी दृष्टिकोण अपनाया जाए।

डाइमिथोएट टैक्निकल हेतु मूल कच्ची सामग्री पी2एस5 है जिसका विनिर्माण एलो फॉस्फोरस से होता है। प्रमुख निर्यातक देश अर्थात् चीन जन.गण. (चीन) के पास एलो फॉस्फोरस का पर्याप्त भण्डार है और उसके पास एलो फॉस्फोरस आधारित उत्पादों के व्यापार को प्रभावित करने की क्षमता है। चीन ने 120प्रतिशत तक का अधिकतम निर्यात शुल्क लगाकर चीन से भिन्न देशों के विनिर्माता प्रयोक्ताओं सहित अन्य प्रयोक्ताओं के लिए मूल कच्ची सामग्री अर्थात् एलो फॉस्फोरस की लागत बढ़ा दी है। इस व्यापार व्यवहार के कारण भारत में घरेलू उत्पादक के लिए डाइमिथोएट टैक्निकल की उत्पादन लागत चीन में विनिर्माता की उत्पादन लागत की तुलना में काफी अधिक हो गई है। इस वजह से एलो फॉस्फोरस की कीमत में कई गुना वृद्धि हुई है। एलो फॉस्फोरस पर चीन द्वारा लगाए गए निर्यात शुल्क की वर्तमान दर 70प्रतिशत है। सामान्यतः वस्तु कर गंतव्य आधारित खपत कर होते हैं और आमतौर पर अधिकांश वस्तुओं के संबंध में निर्यातक देश द्वारा कोई कर नहीं लगाया जाता है। किसी निर्यातक देश द्वारा इस प्रकार कराधान और वह भी 120प्रतिशत तक अप्रत्याशित है।

इसके अलावा, उन देशों सहित जिनके पास काफी अधिक उत्पादन क्षमताएँ हैं, सहित विभिन्न देशों के घरेलू उद्योग अभूतपूर्व एवं असामान्य

मंदी से अस्थिर हुए हैं। मंदी के कारण विश्व भर में माँग में अप्रत्याशित गिरावट आना और मूलभूत कच्ची सामग्री पर निर्यात शुल्क लगाना जिससे निर्यातक देश के प्रयोक्ता मुक्त हैं, अप्रत्याशित, अननुमेय घटनाक्रम है।

एक दृढ़ निर्धारित रीति “सदस्य द्वारा GATT समझौते के अंतर्गत ली गई रियायतों और टैरिफ रियायतों के परिणामों को इंगित करती है.....” इसका साफ—साफ अर्थ यह व्यक्त करना है कि वस्तुतः आवश्यक आयातक सदस्य ने GATT 1994 के तहत कुछ रियायतें ली हैं जिनमें टैरिफ रियायतें भी शामिल हैं। वर्तमान केस में विचाराधीन उत्पाद वह उत्पाद है जिसके सम्बन्ध में भारत ने GATT 1994 की धारा II के अनुसार मुआफिक टैरिफ रियायत प्रदान की है। सीमाशुल्क कमशः, वर्ष 2008—09 में 10प्रतिशत घटा दिया गया जो कि वर्ष 2004—05 में 20प्रतिशत था। चूँकि भारत में GATT 1994 के अधीन कुछ रियायतें उठायी हैं जिसमें जॉच अधीन उत्पाद पर टैरिफ रियायतें भी शामिल हैं अतः यह मान्य है कि आयात में वृद्धि अप्रत्याशित गतिविधियों के कारण और GATT 1994 के तहत ली गई रियायतों के परिणामस्वरूप हैं।

- घ) **वर्धित आयात** — संबद्ध पार्टियों द्वारा वर्धित आयात के विषय में कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया गया। वर्ष 2006—07 को छोड़कर 2005—06 से आयातों में समग्र रूप में वृद्धिकारी प्रवृत्ति रही है। वर्ष 2005—06 को आधार वर्ष के रूप में लेते हुए आयात में वर्ष 2006—07 में 11प्रतिशत की गिरावट आई वर्ष 2007—08 में 255प्रतिशत की वृद्धि हुई और वर्ष 2008—09 में अप्रैल—सितम्बर, 2008 में 412प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष—वार आयात के आंकड़े निम्नानुसार हैं :

तालिका-1

वर्ष	मात्रा मी.टन में	सूचीबद्ध
2005—06	76	100
2006—07	68	89.47
2007—08	270	355.26
2008—09 (दिसम्बर तक)	389	511.84

इसी प्रकार घरेलू बाजार में आयातों का हिस्सा वर्ष 2005-06 में 8प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2007-08 में 25प्रतिशत और 2008-09 (दिसम्बर तक) में 45प्रतिशत हो गया। विस्तृत ब्यौरे निम्नानुसार है :

तालिका-2

खपत का बाजार हिस्सा	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (दिसम्बर तक)
आयात	8%	7%	25%	45%
घरेलू उद्योग	92%	93%	75%	55%

इस प्रकार डाइमिथोएट टैक्निकल के आयात में समग्र रूप में और कुल घरेलू बाजार की तुलना में वृद्धि हुई है।

- ड.) गंभीर क्षति और क्षति की खतरा - संबंध पार्टियों द्वारा गंभीर क्षति या उसकी आशंका के मुद्दे पर कोई दावा प्रस्तुत नहीं किया है अतएव मेरे द्वारा जाँच करने पर निम्न आँकड़े सामने आए -

बिक्री : जॉचाधीन उत्पाद की बिक्री में पूर्ववर्ती वर्ष और आधार वर्ष 2005-06 की तुलना में वर्ष 2008-09 के दौरान अचानक एवं तीव्र गिरावट आई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट होता है। पूर्ववर्ती वर्ष अर्थात् 2007-08 की तुलना में वर्ष 2008-09 में औसत मासिक बिक्री में गिरावट 20.71प्रतिशत रही है।

तालिका - 3

	आवेदक द्वारा घरेलू बिक्री मी.टन	औसत मासिक बिक्री मी.टन	सूचीबद्ध
2005-06	844	70.33	100
2006-07	893	74.42	105.82
2007-08	819	68.25	97.04
2008-09 (दिसम्बर/तक)	487	54.11	76.94

घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा : वर्ष 2005-06 के दौरान घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 92प्रतिशत था। वर्ष 2006-07 में यह मामूली बढ़कर 93प्रतिशत हो गया किंतु वर्ष 2007-08 के दौरान घटकर

75प्रतिशत हो गया। वर्ष 2008-09 दिसम्बर तक घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 55प्रतिशत की भारी गिरावट आई। बाजार हिस्से में घरेलू उत्पादकों के हिस्से में यह गिरावट माँग में वृद्धि के बावजूद आई थी।

तालिका-4

	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (दिसम्बर तक)
खपत का बाजार हिस्सा (भारत में कुल बिक्री)	920	961	1089	876
आयात	8%	7%	25%	45%
घरेलू उद्योग	92%	93%	75%	55%

उत्पादन : वर्ष 2007-08 की तुलना में वर्ष 2008-09 की प्रथम छमाही के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा जॉचाधीन उत्पाद के औसत मासिक उत्पादन में 14.65प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। वर्ष 2005-06 की तुलना में 2006-07 में उत्पादन में सुधार हुआ है किंतु उसके बाद गिरावट जारी रही है। 2008-09 की प्रथम छमाही में औसतन मासिक उत्पादन 61.17 मी.टन था जो पूर्व ऑकड़ों से कम था और पुनः 2008-09 दिसम्बर तक गिर कर 49.11 मी.टन जा पहुँचा।

तालिका-5

वर्ष	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (दिसम्बर तक)
घरेलू उत्पादन (मी.टन)	829	906	860	442
औसत मासिक उत्पादन (मी.टन)	69.08	75.5	71.67	49.11

क्षमता उपयोग : वित्त वर्ष 2008-09 की तीसरी तिमाही के दौरान घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग केवल 18प्रतिशत था। क्षमता उपयोग में वर्ष 2005-06 की तुलना में 2006-07 में सुधार हुआ किंतु उपयोग में सतत गिरावट आई। वर्ष 2008-09 (अप्रैल-दिसम्बर) में आई इस गिरावट से क्षमता उपयोग घटकर 59प्रतिशत रह गया। वर्ष 2008-09 के अक्टूबर-दिसम्बर माह में क्षमता उपयोग केवल 18प्रतिशत था।

तालिका-6

	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (अप्रैल- दिसम्बर)	2008-09 अंतिम तीन माह
क्षमता उपयोग %	83	91	86	59	18

उत्पादकता : उत्पादन में गिरावट के कारण प्रति व्यक्ति उत्पादन में समान रूप की गिरावट दर्ज की गई।

लाभप्रदता : आवेदक वर्ष 2007-08 तक मुनाफे में चल रहा था लेकिन 2008-09 के प्रथम 9 माह के दौरान आवेदक को वर्ष 2007-08 में 100रु. (सूचीबद्ध) का लाभ लेने के बाद 65.34रु. (सूचीबद्ध) का घाटा हुआ है।

रोजगार : मॉग में कमी के कारण घरेलू उद्योग 23.09.2008 से कई बार बन्द हुआ है और यह 13.01.2009 से पूर्णतः बन्द हो गया है। इस बंदी से 102 कर्मचारी बेकार हो गए हैं।

- च) **संवर्धित आयात एवं गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के बीच कारणात्मक संबंध —** संबंध पार्टियों द्वारा संवर्धित आयात एवं गंभीर क्षति या गंभीर क्षति के बीच कारणात्मक संबंध को लेकर कोई दावा नहीं किया गया है। वह अवधि जिसमें गंभीर क्षति का पता चलता है, उस अवधि को आयातों में समग्र एवं तुलनात्मक रूप में वृद्धि की अवधि के समकक्ष रखा गया है। बिक्री और मार्केट शेयर में 2008-09 (दिसम्बर तक) जो गिरावट दर्ज की गई वह इसी अवधि के वर्धित आयातों के समकक्ष है। उसी प्रकार उत्पादन और क्षमता उपयोग में 2008-09 (दिसम्बर तक) में जो गिरावट दर्ज की गई वह भी इसी अवधि के वर्धित आयात के समकक्ष है। अतः मुझे गंभीर क्षति अथवा गंभीर क्षति की आशंका और संवर्धित आयात के बीच कारणात्मक संबंध दिखाई देते हैं। डाइमिथोएट टैक्निकल के मार्केट का क्षेत्र 2007-08 में 90.75 मी.टन था जो बढ़कर 2008-09 (दिसम्बर तक) में 97.33 मी.टन पहुँच गया। जबकि मार्केट का क्षेत्र बढ़ रहा है, घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट आई है, जिससे साफ पता चलता है कि यह गंभीर क्षति आयात के कारण हुई है। मैसर्स रैलीस इण्डिया लि. जो स्वयं इसके उपभोक्ता हैं उन्होंने स्वीकार किया है कि आयात मूल्य घरेलू मूल्य से

काफी कम है इस बात की ओर इंगित करना उचित होगा कि आयात मूल्य इस वक्त भी कम थे घरेलू मूल्यों से जब घरेलू उत्पादक उत्पाद को नुकसान उठाते हुए बेच रहे थे। इससे पता चलता है कि कम मूल्य पर वर्धित आयात किए जाने के कारण गंभीर क्षति या उसकी आशंका की स्थिति उत्पन्न हुई है। वर्धित आयात के अतिरिक्त ऐसा कोई मुद्दा नहीं उठाया गया जिसके कारण गंभीर क्षति की स्थिति उत्पन्न हुई हो। यह तथ्य कि कारखाना उत्तराखण्ड में स्थित है और यह गंभीर क्षति या उसकी आशंका का कारण है एक दम अप्रासंगिक कारण है चूंकि कारखाना पहले से ही वहीं था और उत्पादन भी वहीं होता आया है। अतः मेरे मत अनुसार वर्धित आयात के अलावा और कोई कारण नहीं जिसके रहते घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति या गंभीर क्षति की आशंका का सामना करना पड़ रहा है।

छ) **समायोजन योजना** — घरेलू उत्पादक ने लागत में कटौती करने के लिए विस्तृत समायोजन योजना प्रस्तुत की है जिसमें ईंधन के रूप में अपशिष्ट भारी तेल एवं कार्बनिक परत का उपयोग, ईंधन के रूप में अपशिष्ट भारी तेल एवं जैविक परत का उपयोग, विद्युत उपकरणों के आधुनिकीकरण द्वारा विद्युत की बचत, बेहतर विनिर्माण पद्धतियों का उपयोग, प्रबंधन पद्धतियों में सुधार, प्रशासनिक व्यय में कमी, कारगर मालसूची प्रबंधन शामिल हैं। प्रारंभिक निर्धारण से इस योजना की व्यावहारिकता का पता चलता है। इसके अतिरिक्त घरेलू उत्पादकों ने हर छमाही कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत करने की सहमति दी है जिसमें प्रभावकारी जाँच की जा सके।

ज) **सार्वजनिक हित** — मैसर्स रैलिस इण्डिया लि. ने प्लान्ट के स्थान पर मुद्दा उठाया है साथ ही उनका मानना है कि सप्लाई अनियमित है। मैसर्स हिन्दुस्तान पलवर्सिंग मिल्स ने मुद्दा उठाया है कि इस उत्पाद का उत्पादक मार्केट में सिर्फ एक है अतः रक्षोपाय शुल्क लागू करने से एकाधिकार की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसके अतिरिक्त रैलिस इण्डिया प्रा.लि. ने अपने दावे को पुख्ता बनाने हेतु कोई अन्य प्रमाण अथवा दृष्टांत नहीं उपलब्ध कराए हैं अतः मैं इस विवाद को अप्रमाणित मानता हूँ।

आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि डाइमिथोएट टैक्निकल पर रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने से वस्तुतः सार्वजनिक हित सिद्ध होगा और जनता को कुल मिलाकर कोई कठिनाई नहीं होगी क्योंकि यह एकमात्र प्रचालनरत उद्योग है और घरेलू उद्योग की बहाली से प्रतिस्पर्धी एवं उचित कीमत पर भारतीय डाइमिथोएट टैक्निकल आधारित कीटनाशक विनिर्माताओं को डाइमिथोएट टैक्निकल उपलब्ध कराने में प्रतिस्पर्धा

बनाए रखने में मदद मिलेगी। आगे यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू डाइमिथोएट टेक्निकल का उपयोग करने वाले विनिर्माता उपभोक्ताओं को कम पहुँच मूल्य पर आयातित डाइमिथोएट टेक्निकल का उपयोग करने वाले विनिर्माताओं से कम एमआरपी कीटनाशी नुस्खों की बिक्री करने में समर्थ है।

प्रारंभिक जाँच के दौरान अंतिम उपभोक्ता पर रक्षोपाय शुल्क के प्रभाव की जाँच की गयी थी। मैसर्स ईसाग्रो एशिया, जो घरेलू उत्पादक के नुस्खों के प्रमुख क्रेताओं में से एक है, द्वारा पूर्णतः घरेलू रूप से उत्पादित डाइमिथोएट टेक्निकल से “रोगोर डाइमिथोएट 30 प्रतिशत ईसी” तैयार किया जाता है। दूसरी ओर मैसर्स रैलीज इण्डिया लि. मुम्बई द्वारा आयातित डाइमिथोएट टेक्निकल से भी “रोगोर डाइमिथोएट 30 प्रतिशत ईसी” तैयार किया जाता है। बाजार सर्वेक्षण पर एकत्र किए गए नमूनों से यह पता चलता है कि ईसाग्रो एशिया द्वारा विनिर्मित “रोगोर डाइमिथोएट 30 प्रतिशत ईसी” की एमआरपी मैसर्स रैलीज इण्डिया लि. मुम्बई द्वारा उत्पादित समान उत्पाद “रोगोर डाइमिथोएट 30 प्रतिशत ईसी” से कम है।

रक्षोपाय शुल्क से केवल आयातित उत्पाद के पहुँच मूल्य में वृद्धि होने की संभावना है। रक्षोपाय शुल्क का उद्देश्य उन लोगों के लिए भी उचित प्रतिस्पर्धा प्रदान करना है जो संवर्धित आयातों द्वारा हुई क्षति से निपटने के लिए समायोजन करना चाहते हैं। तदनुसार मैं यह समझता हूँ कि डाइमिथोएट टेक्निकल पर लगाए गए रक्षोपाय शुल्क से ही कीटनाशकों डाइमिथोएट 30 प्रतिशत के अंतिम उपभोक्ताओं द्वारा प्रदत्त अंतिम कीमत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ सकता है। साथ ही घरेलू उत्पादकों के रहते आयात पर उपभोक्ताओं का आश्रित होना कम होगा।

झ) **विकासशील देश** – चीन जो विकासशील देश है, से उत्पाद का आयात 50 प्रतिशत से अधिक है। अन्य विकासशील देशों से आयात नगण्य हैं। तदनुसार दिनांक 14.12.1998 की अधिसूचना संख्या 103/98-सीमाशुल्क (यथासंशोधित) द्वारा यथा अधिसूचि समस्त विकासशील देशों से डाइमिथोएट टेक्निकल के आयात पर रक्षोपाय शुल्क नहीं लगेगा।

ड. **निष्कर्ष तथा सिफारिश** – उपर्युक्त प्रारम्भिक परिणामों के आधार पर यह देखा जा सकता है कि डाइमिथोएट टेक्निकल के संवर्धित आयातों द्वारा डाइमिथोएट टेक्निकल के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है। घरेलू उत्पादकों द्वारा डाइमिथोएट

टेक्निकल की औसत उत्पादन लागत (गोपनीय) लगाई गई पूंजी पर समुचित आया, आयात शुल्कों के वर्तमान स्तर और डाइमैथोएट टेक्निकल की औसत आयात कीमतों को ध्यान में रखते हुए सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची 1 के उपशीर्षक संख्या 38089123 के अंतर्गत वर्गीकृत डाइमैथोएट टेक्निकल के भारत में हुए आयातों पर मूल्यानुसार नीचे सारणी में विवरित विशिष्ट रक्षोपाय शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है जिसे घरेलू उद्योग के हित की रक्षा के लिए न्यूनतम रूप से अपेक्षित माना जाता है।

प्रथम वर्ष	28%
द्वितीय वर्ष	23%
तृतीय वर्ष	18%

[फा. सं. डी-22011/07/2009]

सर्वजीत सिंह राणा, महानिदेशक

**DIRECTORATE GENERAL OF SAFEGUARDS, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE
NOTIFICATION**

New Delhi, the 14th May, 2009

Subject:— Safeguard Investigation concerning imports of Dimethoate Technical—Final Findings.

G.S.R. 340(E).— Having regard to the Custom Tariff Act, 1975 and the Custom Tariff (Identification and Assessment of Safeguard duty) Rules, 1997 thereof.

A. Procedure

1. An application was filed under Rule 5 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 [hereinafter referred to as "Safeguard Rules"] by M/s Shivalik Rasayan Limited seeking imposition of Safeguard Duty on imports of Dimethoate Technical into India alleging that increased import of Dimethoate Technical was causing and/or threatening to cause serious injury to the domestic producers of Dimethoate Technical in India. Having satisfied that the requirements of Rule 5 were met, safeguard investigation against import of Dimethoate technical was initiated on 21.01.2009 and published in the Gazette of India, Extraordinary on the same day. The copy of notice of initiation was sent to the governments of major exporting countries through their embassies in New Delhi. A copy of initiation notice was also sent to all known interested parties listed below:

Domestic Producers

M/s Shivalik Rasayan Limited, 1506, Chiranjivi Tower, 43, Nehru Place, New Delhi - 110019.

Importers and Users Industry

- a) M/s Rallis India Ltd., Apeejay House, 7th Floor, 3 Dinsha Vachha Road, Mumbai - 400033.
- b) M/s Anu Products Ltd, Tigoan Road, Faridabad, Haryana.
- c) M/s Hyderabad Chemicals Ltd., A-24/25, APIE, Bala Nagar, Hyderabad - 500037 (A.P.).
- d) M/s Insecticides (India) Ltd., 401-402, Lusa Tower, Azadpur Commercial Complex, Delhi - 110033.
- e) M/s Atul Pesticides Pvt. Ltd., M-9,10,11, Gupta Tower, Azadpur Commercial Complex, Delhi - 110033.

- f) M/s Jai Shree Rasayan Udyog Ltd., M-4, Aradhana Bhawan, Azadpur Commercial Complex, Delhi – 110033.
- g) M/s Isagro (Asia) Agro Chemicals Pvt. Ltd., 101, Solitare Corporate Park, 151, M. Vasanji Road, Chakala, Andheri (East), Mumbai – 400093.
- h) M/s Hindustan Pulverising mills, 209-210, Anupam Bhawan, Azadpur Commercial Complex, Delhi – 110033:
- i) M/s Boss Agro Chemicals, 108 Chetak Centre, 12/2, RNT Marg, Indore – 452001 (M.P.).

Associations

Pesticide Manufacturers and Formulators Association of India (PMFAI), D-516, Crystal Plaza, Andheri Link Road, Andheri (West), Mumbai – 400053.

Exporters/Foreign Producers

- a) Chongqing Min-Feng Agrochem Co.Ltd.
Jingkou, Shapingba,
Chongqing,
China.
 - b) Jiangsu Tenglong Group
No.1, Chengxiang(N) Road,
Xituan Town, Dafeng City,
Jiangsu 224 124
China.
2. A copy of the notice was also sent to Governments of exporting countries through their Embassies in New Delhi.
 3. Questionnaires were also sent, on the same day, to all known domestic producers, exporters and importers and they were asked to submit their response within 30 days.
 4. The domestic industry has submitted the response to the questionnaire along with additional submissions.
 5. All non confidential versions of the application, response and additional submissions have been kept in the Public Folder.
 6. Upon expeditious proceeding with the conduct of the investigation, the Preliminary finding was issued on 2nd February 2009 and the same was published in the Gazette of India, Extraordinary on the same day. Preliminary finding was also sent to all known interested parties.
 7. A safeguard duty of 28% ad valorem was imposed on imports of Dimethoate Technical vide notification no 25/2009-Customs dated 23rd March, 2009.
 8. Verification of the information considered necessary for the investigation was done. The outcome of the verification was conveyed to the domestic producer and a copy of the verification report was also placed in the Public file.
 9. A public hearing was given to all interested parties on 25th March 2009, notice for which were sent to all interested parties. The Public Hearing was attended by the representatives of M/s Shivalik Rasayan Limited and Rallies India Limited. All parties, who attended the public hearing, were requested to file a written submission of the views presented orally. Copy of written submission filed by one interested party was made available to all the other interested parties. Interested parties were

also given an opportunity for filing rejoinder, if any, to the written submissions of other interested parties. All the views expressed by the interested parties either in the written submissions or in the rejoinders were examined and have been taken into account in making appropriate determination.

B Views of the Domestic Producer of Dimethoate Technical

The domestic industry and the applicant m/s Shivalik Rasayan Ltd, has stated as follows:

- I. The product is Dimethoate Technical falling under 8 digit code 38081026 of harmonized system of nomenclature and 38089123 of the First Schedule to the Custom Tariff Act, 1975 (CTA).
- II. The product comes in various concentrations. The most common concentration ranges between 85 to 98%. The product of various concentrations can be used interchangeably as in insecticide formulations the required concentration of Dimethoate Technical is less than 40%. In India the formulations are being sold in 30% concentration of Dimethoate Technical.
- III. Imports into India have increased from 68 MT during 2006-07 to 270 MT during 2007-08. Moreover, during the first six months of 2008-09, 389 MT have already been imported into India. At this rate, total imports during the full year 2008-09 (estimate) would be 780 MT- recording an increase of over 190% in a single year.
- IV. Custom duty upon importation of Dimethoate Technical into India has come down from 20% in 2004-05 to 10% in 2008-09 exposing domestic industry to international competition.
- V. Market share of imports was 8% during 2005-06. It went down marginally to 7% during 2006-07 but regained back substantially to 25% during 2007-08. In the first half of 2008-09, market share of imports increased to 51% and it is estimated to go upto 60% for complete financial year 2008-09. From a high market share of 92 % in 2006-07, share of domestic production would come down to a mere 40% in 2008-09 – recording a fall of over 52%.
- VI. The sudden increase in imports and consequent injury to domestic industry is on account of predatory business practices of exporting country which is definitely an unforeseen development which Indian negotiators could not foresee while negotiating the agreements. The basic raw material for Dimethoate Technical is P2S5 which is manufactured out of yellow phosphorous. China has got huge reserves of yellow phosphorous and in a way controls its trade. To kill all phosphorous based industries in overseas market, and to capture phosphorous based market in overseas countries including India, China started following predatory trade practices where, China in a calculated manner artificially increased the cost of base raw material i.e. yellow phosphorous for overseas player by imposing heavy export duty as high as 120% and at the same time for its domestic producers ensured its availability at a cheaper price. On account of this trade practice, the cost of production of Dimethoate Technical for domestic producer in India is very high compared to cost of production of Chinese manufacturer and thus in this scenario Indian manufacturer cannot compete with Chinese manufacturer. On account of predatory trade practices of PR China, the

price of yellow phosphorous has gone up from USD 900 to USD 9000 i.e. ten times in a short span of just 4 years. The applicant as an evidence of imposition of Export duty to the tune of 120% on yellow phosphorous by china and 10 times increase in price of yellow phosphorous on account of predatory trade practices of exporting country submits an article titled "Phosphorous based products to cost more" appearing in Economic Times Mumbai Edition on Jun 12, 2008 at Page: 17 in the Economy Section. The current rate of export duty on yellow phosphorous imposed by PR China is learnt to be 70%.

- VII. Normally commodity taxes are destination based consumption taxes and in general there are no taxes levied by the exporting country in respect of most of the commodities. This kind of taxation and that too by 120% by an exporting country was unexpected and unforeseen by Indian negotiators in GATT to perceive a situation where a country will adopting such a predatory trade practice, when member nations are negotiating to ensure free and fair international trade.
- VIII. Further the unprecedented and uneven recession has destabilized domestic industries of various nations including the nations who had very high production capacities. With unexpected fall in demand worldwide on account of recession, the situation of producers in India is even graver. The imposition of export duty on basic raw material from which users in exporting country are immune, accompanied with encouragement of export of derivatives of phosphorous at prices lower than the cost of sale by the domestic industry in India is the strategy of exporting nations to capture the domestic market of India, by making the domestic producers completely unviable.
- IX. On account of above unforeseen developments, Imports into India have increased from 68 MT during 2006-07 to 270 MT during 2007-08. Moreover, during the first six months of 2008-09, 390 MTs have already been imported into India. At this rate, total imports during the full year 2008-09 would be 780 MT – recording an increase of over 190% in a single year.
- X. This unforeseen development has led to increase in imports. The 120% export duty on yellow phosphorous was imposed in the beginning of 2008-2009, as a result the share of imports in first half of 2008-2009 went up to 51 % from its share of 24% in 2007-08. This increase in import has led to serious injury to domestic producer which is evident from parameters mentioned in annexure of Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997. share of domestic production has gone down to 49% in first half of 2008-2009 compared to 93% in 2006-2007, whereas imports share has gone up from 7% to 51% in the same time span.
 - a) Share of domestic sales has gone down to 51% in first half of 2008-2009 compared to 93% in 2006-2007, whereas imports sales share has gone up from 7% to 49% in the same time span.
 - b) The productivity of machines and capacity of plant remained same and the injury is not attributable to production capability of the plant.
 - c) However on account of idling of capacity, the productivity in relation to number of employees has gone down to 481 kg per employee per month compared to 702 kg per employee per month in 2007-2008.

- d) The capacity utilization of the plant has gone down to 59% in first nine months of 2008-2009 compared to 86% of 2007-2008 and 91% of 2006-2007.
 - e) The applicant was running in profit till 2007-2008, however in 2008-2009 in first nine months the applicant has incurred a loss of Rs 16.27 lakhs. The situation has become worse in third quarter of 2008-2009, in which the losses are to the tune of Rs.30.82 lakhs and thus serious injury has become severe in third quarter of 2008-2009.
 - f) The SRL employs 102 people who have become idle on account of closure of plant.
- XI. The unforeseen development has caused increased in imports and increased in imports has caused serious injury. There is no other factor which has perceptible bearing on the serious injury /threat of serious injury faced by the domestic producer.
- XII. The applicant submits that the imposition of safeguard duty on Dimethoate technical will actually serve the public interest and in no way cause the hardship to public at large as apparent from points mentioned below: The unforeseen developments had led to increased imports which have caused serious injury and the share of imported goods have gone to 51% in the first half of 2008-2009 from a mere 7 % in 2006-07. If protection measures are not taken, the sole domestic producer, whose plant is already closed in absence of orders, will not be able to resume production. In this scenario the Indian Dimethoate based insecticides trade will become 100% dependent on foreign supplies. After complete wiping of domestic production facilities, the foreign supplier will charge prices of their choice and thus will exploit Indian market. The 100% control of foreign players on Dimethoate based insecticides trade in India is really not in public interest. Therefore it is really in public interest that protection measures are taken to save domestic producer.
- XIII. The imposition of safeguard duty shall not affect the ultimate consumers in India at all. At present the public at large is not benefited by cheaper imports. Isagro Agrochemicals Ltd. as well as Rallis India Ltd both produces insecticides with brand name Rogor with 30% Dimethoate as its active ingredient. Isagro produces Rogor with 100 % of their Dimethoate procured from applicant i.e. indigenous sources and with no content of imported Dimethoate Technical and sell in the market at a current MRP of Rs. 280/- per litre. Whereas the Rallis India Ltd with maximum imported Dimethoate content sells Rogor at a current MRP of Rs. 342/- per litre. Therefore for the farmers, Rogor made from domestic Dimethoate Technical is actually cheaper compared to Rogor made from imported Dimethoate Technical. The safeguard duties on imported Dimethoate technical will not have any effect on the price of Rogor made from domestic Dimethoate technical and this will be still available at Rs 280/litre if there are no changes in other factors. The applicant has submitted the price list of these companies along with Rogor samples of these companies showing above MRPs.
- XIV. The Phosphorous Pentasulphide (P2S5) is basic raw material to produce Dimethoate Technical which constitutes about 72% of its raw material cost and roughly 50% of total production Cost. P2S5 is a derivative of yellow phosphorus

which is being controlled by China. China has virtually made rest of the world a hostage in Yellow Phosphorus needs by charging export duty as high as 120% to disturb various producers of Organophosphate Chemicals. Under the circumstances the only scope left is in respect of this part of cost. Accordingly SRL proposes to adopt an appropriate strategy to improve upon efficiency in respect of other raw materials which will bring cost effectiveness and enable the company to compete with the international players. SRL plans to execute a number of adjustment plans that would take at least three years to implement. SRL shall be taking following measures among others.

- a) Use of waste heavy oil and organic layer as fuel,
- b) Power saving by modernizing electrical equipments,
- c) Use of better manufacturing practices,
- d) Improvement in management practices,
- e) Reduction of administrative expenses,
- f) Effective Inventory Management.

C. Views of importers and user industries

- i. M/s Atul Pesticides Pvt. Ltd. Has conveyed no objection on imposition of Safeguard duty.
- ii. M/s Crop Growth (India) Pvt. Ltd. has submitted that the imposition of duty will help hundreds of local formulators and million of farmers for getting the material at a competitive price. It will protect the interest of small formulators who are not in a position to import. The big companies make huge profits on this account. The action will rationalize the rates and create a level playing field for all formulators of the country.
- iii. M/s Hyderabad Chemical Products Limited has conveyed that they had manufactured 121 MT in 2004-05, 66MT in 2005-06, 41 MT in 2006-07 and 4MT in 2007-08.
- iv. M/s Insecticides (India) Limited has conveyed that they have no objection to the imposition of safeguard duty.
- v. M/s Boss Agro Chemicals (P) Ltd. has conveyed that it is really a good step on the part of Government as this will protect the interest of the manufacturer in short term but in long term it will safeguard the interest of the farmers of this country. China under a strategy is killing Indian Agro Industry and there after China companies will charged 10 times higher prices forever and our farmer will bear the cost of the same without having any remedy. It will also create a level playing ground for India formulators and help in making small formulator a viable unit and ensure jobs to the people.
- vi. M/s Isagro (Asia) Agrochemicals Pvt. Ltd. has stated that they are not interested to oppose the imposition of safeguard duty.
- vii. M/s Ankur Chemicals India has conveyed that they have no objection in imposition of safeguard duty. M/s Hindustan Pulverising Mills has conveyed that imposing safeguard duty on the imports of Dimethoate technical will deprive the farmers of dry and under developed Agriculture areas of Dimethoate formulations of right quality, right price and at the right time leading to higher crop losses.

They further stated that imposition of safeguard duty on imports of Dimethoate Technical will lead to higher injury to Indian Agriculture in poor, rain fed area of Indian Agriculture affecting economy of farmers.

viii. M/s Rallis India Limited has made the following submission;

- A. This exposes us/ marginal farmers to the risk of a single supplier and a monopolistic supplier.
- B. Given the dependency of marginal farmers on this molecule consistency of supplies is critical. The applicant is not in a position to assure this, given the location of his plant in a sensitive zone.
- C. The safeguard duty is being imposed on an unsustainable argument that cost will not impact the price to the farmer.
- D. Even if the above are rejected and safeguard duty is leviable it cannot exceed 8% as the difference between domestic price and imported price varied between 3% to 12%.
- E. Continued availability of this product is critical to the small and marginal farmers and their interest is being compromised for the benefit of the applicant, who is a single manufacturer.
- F. M/s Shivalik Rasayan is not the sole manufacturer of Dimethoate Technical in India. Rallis was manufacturing the same till 2002. Hyderabad Chemical Products Limited has also been manufacturing and they manufactured 4MT in the year 2007-08.
- G. We have highlighted the option being explored by the applicant for import of intermediates from China and that alternate use of the plant is not being considered by the applicant, both of which do not support the levy of this duty.

ix. M/s United Phosphorus Limited has informed that they are not manufacturing Dimethoate Technical. For their own formulation they purchase it from M/s Shivalik Rasayan Limited and market and never imported Dimethoate Technical.

x. M/s Swastic Pesticides Ltd. has welcomed the imposition of safeguard duty on Dimethoate Technical and conveyed it's no objection.

D. Views of the foreign exporters and governments.

- i. No reply or representation was received from the foreign exporters or their governments.

E. Examination and Findings of D.G.

- a) **The product under investigation** – Dimethoate Technical is classified under sub-heading No. 38089123 of Schedule I of the Customs Tariff Act 1975. It is commonly known as Dimethoate in international literatures as per the guidelines of International Organization for Standardization. The product comes in various concentrations. The most common concentration ranges between 85 to 98%. The product of various concentrations can be used interchangeably. Dimethoate is a widely used organophosphate insecticide used to kill insects on contact. It is an

anticholinesterase which disables cholinesterase, an enzyme essential for central nervous system function.

- b) **Domestic Industry** - It has been contended by M/s Hyderabad Chemicals Ltd. that they have produced 4MT of Dimethoate Technical in the years 2007-08. M/s Shivalik Rasayan Limited had produced 860 MT of Dimethoate Technical in year 2007-08 and thus M/s Shivalik Rasayan Ltd. has produced majority of Dimethoate Technical. Accordingly, the applicant M/s Shivalik Rasayan Ltd. constitutes domestic industry in terms of clause (b) of subsection (6) of Section 8B of the Customs Tariff Act, 1975.

- c) **Unforeseen Developments and obligations incurred under GATT:** There has been no contention made by the interested party on unforeseen development. Accordingly, the issue of unforeseen development has been examined which is as follows;

The Article XIX of GATT 1994 which reads as:

“(a) If, as a result of unforeseen developments and of the effect of the obligations incurred by a contracting party under this Agreement,.....” uses the term ‘unforeseen developments’. The use of plural term ‘developments’ implies that there could be more than one development whose combined effect may be considered. Further, in practice all developments may not be independent and in fact such developments may influence each other. It is the effect of resonance of all such developments which impact the business dynamics and tilt the odds from one to another. Therefore, in order to consider unforeseen developments and the result thereof, it is necessary to take holistic view.

The basic raw material for Dimethoate Technical is P2S5 which is manufactured out of yellow phosphorous. The main exporting nation i.e People's Republic of China (China) has significant reserve of yellow phosphorous and has capability to influence the trade of yellow phosphorous based products. China increased the cost of base raw material i.e. yellow phosphorous for users including manufacturer users of countries other than that of China by imposing heavy export duty of 120%. On account of this trade practice, the cost of production of Dimethoate Technical for domestic producer in India is very high compared to cost of production of manufacturer in China. On account of this, the price of yellow phosphorous has gone up many times. The current rate of export duty on yellow phosphorous imposed by PR China is 70%. Normally, commodity taxes are destination based consumption taxes and in general there are no taxes levied by the exporting country in respect of most of the commodities. This kind of taxation and that too by 120% by an exporting country is unexpected. Further the unprecedented and uneven recession has destabilized domestic industries of various nations including the nations who had very high production capacities. With unexpected fall in demand worldwide on account of recession, coupled with the imposition of export duty on basic raw material from which users in exporting country are immune are unexpected, unforeseen developments.

1855 GI/09-4

It is well settled principle that "of the effect of the obligations incurred by a Member under this Agreement, including tariff concessions ...", simply means that it must be demonstrated, as a matter of fact, that the importing Member has incurred obligations under the GATT 1994, including tariff concessions. In the instant case the product under consideration is one of the products in respect of which India has provided tariff concessions pursuant to Article II of GATT 1994. The Customs duty has been progressively reduced to 10% in the year 2008-09 from 20% in 2004-05. As India has incurred certain obligations under GATT 1994, including tariff concessions on the product under investigation, it is held that imports increased was as a result of unforeseen developments and of the effect of obligations incurred by India under GATT 1994.

- d) **Increased Imports** - There has been no contention by the interested party on the issue of increased imports. The import data shows that there has been increasing trend in imports in absolute terms from the year 2005-06 except in 2006-07. Taking base year as 2005-06, the import has decreased by 11% in 2006-07, increased by 255% in 2007-08 and further increased by 412% in 2008-09 (April to Sept. 08). The import figures year wise is mentioned below:

Table-1

Year	Quantity (in MT)	Indexed
2005-06	76	100
2006-07	68	89.47
2007-08	270	355.26
2008-09 (upto December)	389	511.84

Similarly, share of imports in the domestic market has gone up from 8% in 2005-06 to 25% in 2007-08 & 51% in 2008-09 (first half). The detailed statistics is mentioned below:

Table 2

Market share of Consumption	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (upto December)
Imports	8%	7%	25%	45%
Domestic Industry	92%	93%	75%	55%

The imports of Dimethoate Technical have thus increased in absolute terms as well as compared to total domestic market.

- e) **Serious injury and Threat of serious injury** – There has been no contention by the interested parties on the issue of serious injury and threat of serious injury. Accordingly my findings are as follows;

Sales: The sales of the product under investigation has seen sudden and sharp decline during the year 2008-09 compared to the preceding year as well as the base year 2005-06, as apparent from the Table below. The decline in average monthly sale in 2008-09 has been 20.71% compare to the preceding year i.e 2007-08.

Table 3

	Domestic sale by the applicant (MT)	Average Monthly Sale (MT)	Indexed
2005-06	844	70.33	100
2006-07	893	74.42	105.82
2007-08	819	68.25	97.04
2008-09 (upto December)	487	54.11	76.94

Market Share of domestic Industry: Market share of domestic industry was 92% during 2005-06. It improved marginally to 93% during 2006-07 but fell to 75% during 2007-08. During the period 2008-09 (upto December), market share of domestic industry saw significant fall to 55%. The fall of share of domestic producers in market share is despite growing market.

Table 4

	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (upto December)
Market share of Consumption (Total sales in India)	920	961	1089	876
Imports	8%	7%	25%	45%
Domestic industry	92%	93%	75%	55%

Production: The average monthly production of the product under investigation by the domestic industry has seen decline of 14.65% during the first half of 2008-09 compared to 2007-08. There has been improvement in production in 2006-07 over 2005-06 but it continued to decline thereafter. During the first half of the year 2008-09 the average monthly production has been 61.17 MT, lower than

earlier periods which fell to 49.11 MT per month in 2008-09 (up to December 2008)

Table 5

Year	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (Upto December)
Domestic production (MT)	829	906	860	442
Average Monthly Production(MT)	69.08	75.5	71.67	49.11

Capacity Utilization: The capacity utilization of the domestic industry was mere 18% during the third quarter of the financial year 2008-09. The capacity utilization had improved in 2006-07 compared to 2005-06, but the utilization decreased continuously. The fall in 2008-09 (Apr-Dec) had brought the capacity utilization to 59%. During October-December 2008-09, the capacity utilization was mere 18%.

Table 6

	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09 (Apr-Dec)	2008-09 (last three months)
Capacity Utilization (%)	83	91	86	59	18

Productivity: On account of fall of production, the productivity per person shows a similar trend.

Profitability: The applicant was running in profit till 2007-2008; however during first nine months of the year 2008-09, the applicant has incurred a loss of Rs 65.34 (Index) taking profit of Rs. 100 (index) in the year 2007-08.

Employment: The domestic industry has been shut down intermittently from 23.9.2008 for want of demand and it is closed since 13.1.2009. This closure has turned 102 employees idle.

- f) **Causal link between increased import and serious injury or threat of serious injury** – There has been no contention by the interested parties on the issue of Causal link between increased import and serious injury or threat of serious injury. The period when economic indicators show serious injury coincides with the period of increasing imports in absolute as well as relative terms. The fall in sales and market share during 2008-09 (up to December, 2008) coincides with the increase in imports during the same period. Similarly, fall in production and capacity utilization during 2008-09 (up to December 2008) coincides with the increase in imports during the same period. Accordingly, I find that there exists causal link between serious injury and threat of serious injury.

The market size of Dimethoate has been 90.75 MT/month during 2007-08, which increased to 97.33MT/month during the period 2008-09(up to December 2008). Even though the market size is growing, the sales of domestic industry has declined, which clearly shows that it is the import, which has caused serious injury. M/s Rallis India Limited, the end user themselves admitted that the import prices are lower than the domestic prices. It is pertinent to point out that the import prices were lower than the domestic prices, even when the domestic producers were selling after incurring losses. It shows that the increased import at lower prices have caused serious injury and threatened to cause serious injury. There has been no contention that there are factors other than increased import which caused serious injury. The fact that the plant is situated in Uttaranchal is irrelevant in determination of injury or causal link as the production has been taking place in past as well as now at the same place. Accordingly, I find that there is no significant factor other than increased import, which is attributing to the serious injury and threat of serious injury.

- g) **Adjustment plan** – The domestic producer has submitted detailed adjustment plan to cut cost, which includes use of waste heavy oil and organic layer as fuel, power saving by modernizing electrical equipments, use of better manufacturing practices, improvement in management practices, reduction of administrative expenses, effective inventory management. The analysis of the plan shows that the plan is viable. Further, the domestic industries have also agreed to submit action taken report every six months for effective monitoring.
- h) **Public Interest:** M/s Rallis India Ltd. have raised the issue of the location of the plant and contended that their supplies have been erratic and uncommitted. M/s Hindustan Pulverising Mills have contended that there is only one manufacturer and thus imposition of safeguard duty may lead to monopolistic situation.

The issue has been examined. All the user of Dimethoate Technical except Rallis India Ltd. have either shown satisfaction over services by the applicant or not raised the issue. Further, M/s Rallis India Ltd has not produced any evidence or any instance to substantiate their claim. Regarding the contention of possibility of creation of monopolistic situation, it is important to note that the safeguard duty does not prohibit imports but only brings the domestic industry to the level playing field with the imports. The competition between imports and domestic production still remains open and thus the domestic industry cannot create monopolistic situation. Further, other users have welcomed imposition of safeguard duty, which itself defies the fear of monopolistic situation. Accordingly, I find the contention as unsubstantiated.

Further, the applicant submitted that the imposition of safeguard duty on Dimethoate Technical will actually serve the public interest and in no way cause the hardship to public at large as it is the only surviving industry and survival of the domestic industry would help maintain competition to provide Dimethoate Technical to Indian Dimethoate based insecticides manufacturers at competitive and fair prices. It has been further submitted that the manufacturer using domestic Dimethoate Technical is able to sell the insecticide formulations at lower MRP to consumers than the manufacturer using imported Dimethoate Technical at lower landed value.

The submission was examined and the impact of safeguard duty on the ultimate consumer was studied. M/s ISAGRO ASIA who is one of the main buyers of the domestic producer formulates "ROGOR Dimethoate 30% EC" out of solely domestically produced Dimethoate Technical. On the other hand M/s Rallies India Ltd, Mumbai formulates "ROGOR Dimethoate 30% EC" out of imported Dimethoate Technical as well. The samples collected on market survey shows that the MRP of the "ROGOR Dimethoate 30% EC" manufactured by ISAGRO ASIA is lower than the identical product "ROGOR Dimethoate 30% EC" produced by M/s Rallies India Ltd, Mumbai.

The safeguard duty is likely to increase the landed value of the imported product only. The safeguard duty intends to make the competition fair even for those who need adjustment to deal with the injury caused by increased imports. Accordingly, I find that the safeguard duty imposed on Dimethoate Technical alone may not have any bearing on the price paid by the ultimate consumers of insecticide (Dimethoate 30%) and in fact existence of domestic production facility will facilitate competition to imports to neutralize the effect of dependency on imports.

- i) **Developing Nations:** The import of the product from China, which is a developing nation, is more than 50%. Imports from other developing nations are insignificant. Accordingly, imports of Dimethoate Technical from all developing nations as notified vide Notification No. 103/98-Cus dated 14.12.1998 (as amended) except China may not attract safeguard duty.

F. Conclusion and Recommendation: On the basis of the above findings it is seen that increased imports of Dimethoate Technical have caused serious injury to domestic producers of Dimethoate Technical. Considering the average cost of production of Dimethoate Technical by the domestic producers (confidential), a reasonable return on capital employed, the present level of import duties, the average import prices of Dimethoate Technical, adjustment plan and need to progressively liberalize the safeguard duty, a safeguard duty at the rate prescribed in the table below, which is considered to be the minimum required to protect the interest of domestic industry, is recommended to be imposed on imports of Dimethoate Technical classified under sub-heading No. 38089123 of Schedule I of the Customs Tariff Act 1975 into India.

1 st Year	28%
2 nd Year	23%
3 rd Year	18%

[F. No. D-22011/07/2009]

S. S. RANA, Director General